पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून बुधवार 3 जून 2020 पेज 8

केन्द्र की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ धरना देते हुए प्रदेश युवा कांग्रेस।

उत्तराखंड में कोरोना के मामले 1000 पार

कोरोना कहर

एक और मौत, 41 नए पॉजिटिव केस आए सामने | दो बजे तक कुल आंकड़ा पहुंचा 999

संवाददाता

देहरादून। मंगलवार को उत्तराखंड में कोरोना संक्रमण से एक युवक की मौत हो गई। प्रदेश में कोरोना से यह सातवीं मौत है। सीएमएस डॉ. आरके जोशी ने बताया कि सोमवार सुबह तक युवक की तबीयत ठीक थी। उसे आइसीयू से बाहर आ गया था। लेकिन रात्रि में तबीयत खराब होने के बाद मंगलवार सुबह उसने दम तोड़ दिया। युवक के शव को लाने की कार्रवाई चल रही है।

मंगलवार सुबह से दोपहर दो बजे तक प्रदेश में कोरोना संक्रमण के 41 नए मामले सामने आ चुके हैं। इनमें देहरादून में 26, टिहरी में 11, चमोली में तीन और हरिद्वार में एक पॉजिटिव केस की पुष्टि हुई है। कुल मरीजों की संख्या 999 हो गई है पर खबर लिखें जाने तक यह आंकड़ा 1000 के पार हो गया है। इनमें से 243 स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। देश के विभिन्न राज्यों से लौट रहे प्रवासियों की आमद के साथ ही प्रदेश में शुरू हुआ कोरोना का ग्राफ चढने का क्रम थमने का नाम नहीं ले रहा है। हर दिन मैदान से लेकर पहाड़ तक संक्रमितों का आंकड़ा बढ़ रहा है।

स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को 782 सैंपल की जांच रिपोर्ट मिली है। जिनमें 730 की रिपोर्ट निगेटिव व 52 मामले पॉजिटिव हैं।

चंपावत में जिन 21 मामलों में कोरोना की पुष्टि हुई है उनमें 16 मुंबई व दो नई दिल्ली से लौटे हैं। जबकि तीन पूर्व में संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आए लोग हैं। देहरादून में 9 नए मरीज सामने आए हैं। इनमें दून शहर के सात और दो मरीज ऋषिकेश से हैं। शहर से सटे पंडितवाड़ी में एक महिला और उसकी दो बच्चियां, संजय विहार डाकरा निवासी एक युवक, कंडोली निवासी एक महिला और मोथरोवाला निवासी एक परिवार के दो लोगों की कोरोना जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। हरिद्वार में जिन आठ लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव मिली, वह सभी मुम्बई से लौटे हैं। पिथौरागढ़ में संक्रमित छह लोगों में दो नई दिल्ली, एक जयपुर, एक नोएडा, एक पुणे व एक मुंबई से लौटा व्यक्ति है। बागेश्वर में मुंबई से लौटे तीन और हरियाणा व पुणे से लौटे एक–एक व्यक्ति की रिपोर्ट पॉजिटिव है। नैनीताल में तीन और कोरेाना संक्रमित मिले, जिनमें दो व्यक्ति दिल्ली व एक हाल में मुंबई से लौटा है। सोमवार को सबसे ज्यादा 120 मरीज स्वस्थ होकर अस्पतालों से डिस्चार्ज हो गए हैं। जिनमें नैनीताल के 86, ऊधमसिंहनगर के 12, चंपावत के सात, उत्तरकाशी के 6, बागेश्वर के पांच, दून के तीन व पौड़ी का एक मरीज शामिल है।

चम्पावत में कोरोना संक्रमित युवक की मौत

चम्पावत जनपद में कोरोना से मौत होने का पहला मामला सामने आया है। मंगलवार सुबह उपचार के दौरान लोहाघाट के डेंसली निवासी युवक की मौत हो गई। युवक का 25 मई से रात्रि में सुशीला तिवारी अस्पताल में उपचार चल रहा था। लोहाघाट ब्लॉक के डेंसली निवासी 40 वर्षीय युवक बीती 18 मई को महाराष्ट्र से आया था। जिसे प्राथमिक विद्यालय डेंसली में क्वारंटाइन किया गया था। 24 मई को उसकी तबियत खराब हो गई। जिसके बाद उसे संयुक्त चिकित्सालय लोहाघाट लाया गया। जहां से उसे जिला अस्पताल आइसोलेट किया गया। जहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद उसे शाम को सुशीला तिवारी अस्पताल रेफर कर दिया। तभी से उसका एसटीएच में उपचार चल रहा था।

केन्द्र की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ प्रदेश युवा कांग्रेस ने दिया धरना

संवाददाता देहरादून। केन्द्र सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ उत्तराखंड युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर धरना दिया। मंगलवार को कांग्रेस भवन में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता इकटठा हुए और वहां पर उन्होंने केन्द्र सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन कर धरना दिया। इस अवसर पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह ने कहा कि केन्द्र सरकार लगातार जन विरोधी निर्णय ले रही है गैस के दाम में एक बार फिर से अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी कर दी है। देश व प्रदेश वर्तमान में कोरोना वायरस कोविड 19 महामारी के संकट से जूझ रहा है और केन्द्र सरकार लगातार महंगाई को बढ़ाने का काम कर रही है।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि श्रमिको को 10 हजार रुपये दिए जाने, मनरेगा के तहत रोजगार दिए जाने की आवश्यकता है लेकिन अभी तक केन्द्र सरकार इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं कर रही है। इसी प्रकार से किसानों की बर्बाद फसलों का मुआवजा दिए जाने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर श्रमिक कानून में बदलाव कर श्रमिकों के हितों के साथ अन्याय किया जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि केन्द्र सरकार की जन विरोधी नीतियों को किसी भी दशा में सहन नहीं किया जायेगा।

यूपी से उत्तराखंड को जल्द मिलेगा उसका हक

उम्मीद

■ दोनों राज्यों के मध्य परिसंपत्तियों को लेकर कोई विवाद नहीः सीएम योगी

देहरादून। **संवाददाता**

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में एक ही दल भाजपा की सरकार होने से परिसंपत्तियों व देनदारियों के मामले में उत्तराखंड को जल्द लाभ मिलने की उम्मीद जगी है। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दोनों राज्यों के मध्य परिसंपत्तियों को लेकर कोई विवाद नहीं है। जहां तक देनदारियों का सवाल है तो इस मामले में गंभीरता से जिम्मेदारी का निर्वहन किया जाएगा। यानी अब उत्तराखंड को उत्तर प्रदेश पर चल रही 950 करोड़ से अधिक की देनदारी जल्द मिल सकती है।

दो दशक पहले उत्तर प्रदेश से अलग होने के बावजूद उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में परिसंपत्तियों व देनदारियों के मसले का समाधान नहीं हो पाया था। हालांकि, दोनों राज्यों में भाजपा की सरकार गठित होने के बाद इस दिशा में पहल हुई। पिछले साल दिसंबर में ही मुख्य सचिव स्तर की बैठक में परिसंपत्तियों व देनदारियों के मुद्दे पर सहमति जरूर बनी, मगर यह मुहिम अभी तक पूरी तरह परवान नहीं चढ़ पाई है। परिसंपत्तियों की ही बात करें तो चंपावत, हरिद्वार और ऊधमसिंहनगर में करीब 488 हेक्टेयर भूमि में 375 हेक्टेयर पर उत्तराखंड को हक देने पर सहमति बन चुकी है, मगर अभी इसमें कई तरह के गतिरोध बने हुए हैं। इसके अलावा उत्तराखंड के 22 शहरों में उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद की आवासीय कॉलोनियों का हस्तांतरण भी चुनौती बना हुआ है। ये भी उत्तराखंड को मिलनी हैं और इसे लेकर दोनों राज्य सहमति भी जता चुके हैं। बावजूद इसके अभी तक राज्य को पत्रावली आदि नहीं मिल पाई हैं, जिसका खामियाजा राज्य को भुगतना पड़ रहा है। ऐसी ही तस्वीर अन्य कई परिसंपत्तियों के मामले में है। देनदारियों को ही लें तो उत्तर प्रदेश पर करीब 955 करोड़ की देनदारी निकल रही है।

श्रमिक उत्तराखंड जाना चाहें तो मनाही नहीं

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तराखंड समेत विभिन्न राज्यों से करीब 30 लाख प्रवासी श्रमिक व कामगार उत्तर प्रदेश लौटे हैं। सभी के लिए रोजगार की व्यवस्था सरकार करने जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि श्रमिक अपनी बेहतरी के लिए उत्तराखंड जाना चाहते हैं तो वे जा सकते हैं।

महाराज और उनकी पत्नी पर दर्ज हो हत्या का मुकदमा

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल के महानगर अध्यक्ष व केन्द्रीय प्रवक्ता सुनील ध्यानी ने कहा है कि आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत काबीना मंत्री सतपाल महाराज और पूर्व मंत्री अमृता रावत पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए। यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार के काबीना मंत्री सतपाल महाराज के पूरे परिवार को कोरोना की चपेट में आने के कारण खुद मुख्यमंत्री से लेकर मंत्रिमंडल के सदस्यों को सेल्फ क्वारंटाइन होना पड़ रहा है और यही नहीं सचिवालय से लेकर सतपाल महाराज के विभागीय स्टाफ तथा मुख्य सचिव स्टाफ को क्वारन्टीन में जाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज के परिवार की सबसे बड़ी लापरवाही के कारण ऐसी हालात पैदा हुए हैं इसलिये दल मांग करता है कि सतपाल महाराज के साथ उनकी पत्नी अमृता रावत के खिलाफ आपदा अधिनियम के तहत हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाये।

संक्षिप्त समाचार

विस अध्यक्ष ने दूरभाष पर जाना सीएम सहित सभी कैबिनेट मंत्रियों का हाल

संवाददाता देहरादून। कोरोना वायरस कोविड–19 महामारी के प्रभाव के कारण उत्तराखंड के मुख्यमंत्री सहित चार कैबिनेट मंत्री भी होम क्वारंटाइन हुए हैं। मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने होम क्वारंटाइन हुए मुख्यमंत्री सहित सभी कैबिनेट मंत्रियों से दूरभाष पर बातचीत कर उनका हालचाल जाना। यहां जारी एक बयान में उन्होंने कहा कि कोविड–19 महामारी के कारण कोरोना वायरस के प्रभाव के कारण कोई भी व्यक्ति अछूता नहीं है। विगत दिनों उत्तराखंड की कैबिनेट बैठक में भी इसका प्रभाव देखने को मिला।

उमेश्वर सिंह रावत संगठन के उप मुख्य वार्डन नियुक्त

संवाददाता देहरादून। नागरिक सुरक्षा संगठन उप नियंत्रक वह नगर मजिस्ट्रेट अनुराधा पाल ने लंबे समय से प्रभागीय वार्डन के पद पर कार्यरत उमेश्वर सिंह रावत को संगठन का उप मुख्य वार्डन नियुक्त किया है। यहां जारी एक बयान में संगठन की उप नियंत्रिक व सिटी मजिस्ट्रेट अनुराधा पाल ने बताया कि उमेश्वर सिंह रावत प्रभागीय वार्डन (अवैतनिक) नागरिक सुरक्षा देहरादून के पद से उपमुख्य वार्डन (अवैतनिक) नागरिक सुरक्षा, देहरादून के पद पर पदोन्नति की गयी है।

गैस के दामों में बेतहाशा वृद्धि को चिन्ताजनक बताया

संवाददाता देहरादून। महानगर कांग्रेस कमेटी के पूर्व महामंत्री व वरिष्ठ कांग्रेस नेता महेश जोशी ने कहा है कि गैस के दामों में बेतहाशा वृद्धि चिन्ताजनक है। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ते गैस के दामों से महंगाई और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार महंगाई को नियंत्रित करने के बजाय लगातार गैस के दामों में बढ़ोत्तरी कर रही है। आज कांग्रेस भवन में बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि लगातार गैस के दामों में बढ़ोत्तरी की जा रही है इससे महंगाई और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि आज महंगाई को नियंत्रित करने की आवश्यकता है लेकिन केन्द्र व प्रदेश की सरकार इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रही है।

जिम संचालक ने भीख मांगकर जारी रखा आंदोलन

संवाददाता देहरादून। हैल्थ एंड फिटनेस सेंटर खोलने की मांग को लेकर जिम संचालक ने भीख मांगकर अपना आंदोलन जारी रखा, लेकिन बाद में पुलिस ने उसे वहां से भगा दिया। आज माजरा निवासी एक जिम संचालक शाकिर अली तीसरे दिन घंटाघर पहुंचा और वहां पर उन्होंने एक स्लोगन लिखकर हैल्थ एंड फिटनेस सेंटर जिम खोलने की मांग की। इस अवसर उन्होंने भीख मांगकर अपना विरोध दर्ज किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज उनके समक्ष रोजी रोटी का संकट पैदा हो गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०–
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून
ही मान्य होगा।